सुभाष घई ने ओशो को अपने जीवन का मार्गदर्शक बताया

फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने आध्यात्मिक गुरु ओशो के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें अपने जीवन का मार्गदर्शक बताया है। उन्होंने खुलासा किया है कि किस तरह ओशो की शिक्षाओं और विचारधारा ने उन्हें खुद को समझने, जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देखने और आंतरिक रूप से सशक्त बनने में मदद की। बुधवार को घई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वे ओशो यानी आचार्य रजनीश की तस्वीर वाले एक प्रचार सामग्री के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट के माध्यम से उन्होंने अपने जीवन पर ओशो के गहरे प्रभाव को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, मुझे एक सच्चे गुरु की कीमत और महत्व समझने में पूरे 50 साल लग गए। 1975 में मैंने पहली बार ओशो को पढ़ना शुरू किया, और तब से लेकर आज तक उनकी विचारधारा ने मुझे अपने बारे में, अन्य लोगों के बारे में और जीवन के अंतिम सत्य के बारे में लगातार ज्ञान प्रदान किया है। घई ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि ओशो ने उन्हें अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और जीवन के हर स्तर पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सामर्थ्य दी। भावुक होते हुए उन्होंने आगे कहा, मैं इस महान गुरु ओशो के प्रति अपनी कृतज्ञता कैसे व्यक्त करूं, जिन्होंने मुझे आज तक एक

खुशहाल और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। धन्यवाद कहना भी उनके योगदान के सामने बहुत छोटा शब्द लगता है। यह टिप्पणी उनके गहरे सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती है। ओशो, जिन्हें आचार्य रजनीश के नाम से भी जाना जाता था, का आंदोलन 1970 के दशक में शुरू हुआ और शीघ्र ही यह पूरी दुनिया में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक लहर के रूप में फैल गया। इस आंदोलन ने मुख्य रूप से ध्यान, आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे विषयों पर जोर दिया। ओशो की विचारधारा पारंपरिक धार्मिक और सामाजिक सोच से काफी हटकर थी, जिसने उन्हें दुनिया भर में एक विवादास्पद लेकिन बेहद प्रभावशाली व्यक्ति बनाए रखा। उनके आश्रमों और प्रवचनों ने लाखों लोगों को आकर्षित किया, जो जीवन के अर्थ और आंतरिक शांति की तलाश में थे।

हालांकि, सुभाष घई अकेले ऐसे फिल्मी सितारे नहीं हैं, जिनका ओशो की शिक्षाओं से गहरा जुड़ाव रहा है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना भी ओशो के सबसे प्रमुख अनुयायियों में से एक थे। अपने करियर के चरम पर, जब वे बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते थे, विनोद खन्ना ने फिल्मों से अचानक दूरी बनाने का फैसला किया था। यह फैसला तब फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका और हैरानी का विषय था। उन्होंने अमेरिका के ओरेगन स्थित ओशो के आश्रम, रजनीशपुरम, का रुख किया।

बोनी कपूर बड़े पर्दे पर छोटी बेटी को नई पहचान दिलाने की तैयारी में

बॉलीवुड फिल्म निर्माता बोनी कपूर की अब अपनी छोटी बेटी खुशी कपूर को बड़े पर्दे पर नई पहचान दिलाने की तैयारी में हैं। बोनी कपूर ने हाल ही में ऐलान किया है कि खुशी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की 2017 की सुपरहिट फिल्म मॉम के सीक्वल में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म के जरिए स्टारकिड अपनी दिवंगत मां को एक खास श्रद्धांजलि अर्पित करने जा रही हैं। करीबी सूत्रों के मुताबिक, खुशी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। अभिनेत्री के लिए यह फिल्म बेहद खास है और उन्हें बखूबी मालूम है कि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं, लेकिन खुशी कपूर इस बात से अपने प्रदर्शन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ने दे रही हैं।

आरआरआर के को-स्टार जूनियर एनटीआर को शूटिंग के दौरान लगी चोट

हाल ही में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण को शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद सर्जरी करवानी पड़ी थी। पूर्व में अभिनेता राम चरण की कलाई की सर्जरी भी हुई थी, जब उन्हें अपनी फिल्म पेड्डी के सेट पर चोट लगी थी। इसी कडी में अब आरआरआर के को-स्टार जूनियर एनटीआर का नाम भी जुड़ गया है, जिन्हें कंधे में चोट आई है। डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम एक महीने के आराम की सलाह दी है, जिससे उनकी आगामी प्रोजेक्ट्स पर, खासकर प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म ड्रैगन पर, असर पड़ने की आशंका है। जूनियर एनटीआर की टीम ने इस चोट की पुष्टि की है और बताया है कि एक्टर को अगले छह से आठ हफ्तों तक आराम करना होगा। टीम के अनुसार, यह चोट 27 जुलाई को एक गतिविधि के दौरान लगी थी। डॉ. जे. मधुसूदन राव और डॉ. आरए पुरमचंद्र तेजस्वी जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम जूनियर एनटीआर का इलाज कर रही है। डॉक्टरों ने एक से डेढ़ महीने के आराम का परामर्श दिया है। टीम ने फैंस को आश्वस्त करते हुए कहा है कि चिंता की कोई बात नहीं है और वे समय-समय पर अभिनेता की सेहत के बारे में अपडेट देते रहेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह चोट किस फिल्म की शूटिंग के दौरान लगी है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि यह प्रशांत नील की अपकमिंग फिल्म ड्रैगन के काम से जुड़ी हो सकती है। प्रशांत नील ने मई में ही ड्रैगन का फर्स्ट लुक रिवील किया था। फिल्म ड्रैगन 60 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जब अफीम का व्यापार और अफगान ट्रेडिंग चरम पर था। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर का किरदार काफी दिलचस्प बताया जा रहा है। वह एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं जो परिस्थितियों के कारण एक बेरहम हत्यारा बन गया है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सनी देओल की बंटवारा 1947 का फैंस को इंतजार

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म बंटवारा 1947 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज से ठीक पहले, सनी देओल ने अपनी मां के साथ एक बेहद भावुक तस्वीर साझा की है, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल छू लिया है। राजकुमार संतोषी के कुशल निर्देशन में बनी बंटवारा 1947 की रिलीज पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। यह फिल्म हाल ही में सेंसर बोर्ड से बिना किसी कट के पास की गई है, जिससे इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा थी, लेकिन सनी देओल के इस भावनात्मक पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस तस्वीर में सनी अपनी मां के साथ बेहद आत्मीय पल साझा करते दिख रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी गहरी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, मेरी मां ही मेरा रब हैं। मेरा प्यार, मेरा हौसला, मेरी ताकत। इस कैप्शन के साथ उन्होंने यह भी बताया कि वह अपनी फिल्म बंटवारा 1947 को अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करते हैं। बंटवारे के दर्दनाक दौर में माताओं के बलिदान और प्रेम को समर्पित यह संदेश निश्चित रूप से दर्शकों के दिलों को छू जाएगा। सनी देओल ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए बताया कि फिल्म का ट्रेलर अगले दिन रिलीज होने वाला है। उनके इस भावनात्मक संदेश पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। यूजर्स एक्टर की मां के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म के मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज से पहले किरदारों के पोस्टर भी साझा किए थे।

रकुल प्रीत ने जिम में वापसी की नई तस्वीरें साझा कीं

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने चोट से उबरने के बाद आखिरकार जिम में वापसी कर ली है, और खुद को एक नए रूप में ढालने की यात्रा पर निकल पड़ी हैं। सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें साझा कीं, जिसके साथ एक लंबा और विचारोत्तेजक नोट भी लिखा। इस नोट में उन्होंने अपनी चोट के बाद की स्थिति पर गहराई से विचार व्यक्त किए और बताया कि यह अनुभव उनके लिए एक नई शुरुआत लेकर आया है, जिसने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में धैर्य और समय लगता है।

रकुल ने साझा किया कि हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई योजना नहीं बनाता। उनके लिए यह अध्याय एक अप्रत्याशित चोट के रूप में आया, जिसने उन्हें तुरंत रुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने लिखा, एक पल में मैं हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। उनके लिए सिर्फ शारीरिक दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो उनके जीवन के एक अहम हिस्से - जिम - से दूर होने पर आई थी। रकुल ने बताया कि जिम सिर्फ ऐसी जगह नहीं थी जहाँ उन्होंने खुद को प्रशिक्षित किया, बल्कि यह वह स्थान था जहाँ उन्होंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे कठिन बात प्रगति का

रुकना नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, हर दिन मैं वापस जाना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर मुझे याद दिलाता रहा कि ठीक होने की अपनी एक समयसीमा होती है। निराशा और संदेह के क्षण आए, और ऐसे पल भी आए जब उन्हें लगा कि वह कितना कुछ खो देंगी। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कभी-कभी जीवन हमें रोकना नहीं चाहता, बल्कि हमें एक अलग नजरिए के साथ वापस आने के लिए तैयार करता है। रकुल ने कहा कि इस स्वास्थ्य रिकवरी ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए जो कोई भी व्यायाम कभी नहीं सिखा सकता था। इसने उन्हें परिणाम पाने के लिए धैर्य रखना सिखाया और उन पलों के लिए कृतज्ञता का भाव पैदा किया जिन्हें वे पहले हल्के में लेती थीं। उन्होंने ताकत की अपनी परिभाषा भी बदली। रकुल ने बताया, ताकत हमेशा दिखावटी नहीं होती। कभी-कभी ताकत तब होती है जब मन और ज्यादा मेहनत करने को कहता है और आप आराम करने का चुनाव करते हैं। कभी-कभी ताकत तब होती है जब आप खुद पर भरोसा रखते हैं, भले ही तत्काल कोई प्रगति न दिखे। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, उन्होंने खोई हुई चीजों पर ध्यान देना बंद कर दिया और जो कुछ उनके पास बचा था, उसकी सराहना करने लगीं। उनका लक्ष्य फिर से स्वस्थ होना था, जोकि हो गया। हर छोटा सुधार उनके लिए एक जीत बन गया, हर छोटा कदम उन्हें याद दिलाता रहा कि प्रगति कभी पूरी तरह खत्म नहीं होती, बस जीवन के अलग-अलग पड़ावों में इसका रूप बदल जाता है।

जावेद जाफरी ने बताया मल्टीस्टारर फिल्मों की सफलता का कारण

बॉलीवुड अभिनेता जावेद जाफरी ने मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसी फिल्में दर्शकों के एक विशाल वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। खुद हाल ही में रिलीज हुई धमाल 4 का हिस्सा रहे जाफरी ने इन फिल्मों की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे के अहम कारणों का खुलासा किया।

जाफरी ने बताया, मुझे लगता है कि हम एक तरह से सर्कस के दौर में वापस जा रहे हैं। उन्होंने हंसते हुए आगे जोड़ा, जैसे आप सर्कस में जाते हैं, तो वहां ट्रैपीज़ कलाकार, घोड़े की सवारी करने वाले लोग, हवा में करतब दिखाती खूबसूरत लड़कियां, जोकर और जानवर भी होते हैं। इसी तरह, ज़्यादा कलाकारों वाली फिल्मों का कॉन्सेप्ट अलग-अलग तरह के किरदारों, लोगों और ऐसे कलाकारों पर आधारित होता है जिन्हें दर्शक पसंद करते हैं और प्यार करते हैं। जावेद जाफरी ने अपनी बात को समझाते हुए कहा कि यह आ ला कार्टे (अलग-अलग व्यंजन चुनने) के बजाय बुफ़े (एक साथ कई तरह के भोजन) जैसा है। उनका मानना है कि यह तरीका सिनेमाघरों में अधिक भीड़ खींचने में कामयाब होता है और ज़्यादा से ज़्यादा ऑडियंस

को अपनी ओर आकर्षित करता है, क्योंकि इसमें हर दर्शक वर्ग के लिए कुछ न कुछ मनोरंजक होता है।

अभिनेता ने आगे मल्टीस्टारर फिल्मों के फायदों पर जोर देते हुए कहा कि जब एक फिल्म में कई लोकप्रिय चेहरे होते हैं, तो वे अलग-अलग फैन बेस को एक साथ लाते हैं। इससे फिल्म की पहुंच और अपील काफी बढ़ जाती है। दर्शक अपने पसंदीदा सितारों को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक होते हैं, जिससे फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस को भी सीधा फायदा मिलता है।

जावेद जाफरी स्वयं हाल ही में 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म धमाल 4 में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आए थे। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे पुराने कलाकारों ने वापसी की थी। इनके साथ संजय मिश्रा, रवि किशन, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये और विजय पाटकर जैसे कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल थे। धमाल 4 को समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई थीं, लेकिन मल्टीस्टारर होने के नाते इसने एक बड़ा दर्शक वर्ग आकर्षित किया। मालूम हो कि बीते कुछ सालों से बॉलीवुड में मल्टीस्टारर फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जहां एक ही फिल्म में कई बड़े कलाकार एक साथ नजर आते हैं। सिंघम रिटर्न्स, हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल जैसी फिल्में इसके प्रमुख उदाहरण हैं, जो दर्शाती हैं कि निर्माता भी दर्शकों की इस पसंद को खूब भुना रहे हैं।

सोनू सूद ने मॉडलिंग से की थी करियर की शुरुआत

अभिनेता सोनू सूद के पास इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हैं। इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में ग्रासिम मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष पांच में शामिल होने के बाद उनका रुझान मॉडलिंग की ओर बढ़ा।

अभिनय के सपनों को साकार करने के लिए सोनू सूद मुंबई आए, जहाँ उनके शुरुआती दिन संघर्षों से भरे थे। मात्र 5,500 रुपए लेकर शहर आए सोनू ने छह अन्य लोगों के साथ एक छोटा कमरा साझा किया और अपनी आर्थिक ज़रूरतों के लिए 4,500 रुपए प्रतिमाह की निजी नौकरी भी की। उनका पहला मॉडलिंग असाइनमेंट उन्हें 500 रुपए का पारिश्रमिक दिला पाया था। निजी जीवन में वे अत्यधिक अनुशासित हैं - शुद्ध शाकाहारी, धूम्रपान व शराब से दूर और अपनी फिटनेस के लिए किक-बॉक्सिंग का कड़ाई से पालन करते हैं। 25 सितंबर 1996 को उन्होंने सोनाली सूद से विवाह किया और उनके दो पुत्र, ईशांत और अयान हैं।

सोनू सूद ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1999 में तमिल फिल्म कल्लाझगर से की और 2002 में शहीद-ए-आजम के साथ बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में अपनी जगह बनाई। 2008 में तेलुगु फिल्म अरुंधति में खलनायक की भूमिका के लिए उन्हें नंदी पुरस्कार और फिल्मफेयर सम्मान मिला। 2010 में हिंदी फिल्म दबंग में छेदी सिंह के किरदार ने उन्हें अप्सरा अवॉर्ड और आईफा अवॉर्ड दिलाए। 2017 में उन्होंने जैकी चैन के साथ कुंग फू योगा में मुख्य विलेन रान्डेल की भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई।

हालांकि, सोनू सूद का सबसे बड़ा और स्थायी योगदान सिनेमा के पर्दे से बाहर उनके मानवीय कार्यों के रूप में सामने आया है। कोविड-19 संकट के दौरान उनके अथक प्रयासों को संस्थागत रूप देने के लिए सूद चैरिटी फाउंडेशन की स्थापना की गई। महामारी से उत्पन्न हुए विशाल रोज़गार संकट को देखते हुए उन्होंने प्रवासी रोजगार नामक पोर्टल लॉन्च किया। इस पहल की सफलता को देखते हुए, इसे बाद में टेमासेक समर्थित गुड वर्कर से 34 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ, जिसका लक्ष्य 10 करोड़ भारतीयों को आजीविका और कौशल विकास से जोड़ना है।

बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का खौफ भूले नहीं है कुमार शानू

एक समय ऐसा था जब बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का बोलबाला था, और ऐसे माहौल में किसी भी एक्टर को अंडरवर्ल्ड का खौफ हर समय सताता था। हाल ही में उस दौर के बारे में बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने खुलकर बात की है। कुमार सानू ने बताया कि यह वह समय था जब उन्हें दुबई में एक प्राइवेट पार्टी में अंडरवर्ल्ड डॉन के सामने परफॉर्म करना पड़ा था। कुमार सानू के अनुसार, यह उनके करियर का सबसे डरावना अनुभव था, जब उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत ज्यादा डर लग रहा था। कुमार सानू ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उस समय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड का काफी गहरा असर था। एक पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि ऐसे अनुरोधों को उस समय मना करना खतरों से खाली नहीं था। इंडस्ट्री में हर कोई डर के साए में जीता था और किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति की बात को टालना भारी पड़ सकता था। उन्होंने उस समय के माहौल को याद करते हुए बताया कि उन सालों में इंडस्ट्री में काफी अलग ही माहौल था और उन्हें बहुत डर लग रहा था, क्योंकि एक अलग ही सिस्टम चल रहा था। होस्ट ने उनसे पूछा कि वह समय इतना खतरनाक था कि म्यूजिक इंडस्ट्री के इतने फेमस पर्सनैलिटी होने के बावजूद गुलशन कुमार जैसे व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस पर कुमार सानू ने सहमति जताते हुए बताया कि वह इस डर और बात को बखूबी समझ सकते हैं। उन्होंने कुछ इवेंट्स में ऐसे माहौल को देखा है और यही वजह है कि वह चाहकर भी ऐसे इवेंट्स में परफॉर्म करने से मना नहीं कर पाए। वह जानते थे कि किसी भी तरह से मना करना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे अनुरोधों को ऐसे में हां कहना ही सबसे प्रैक्टिकल और सुरक्षित ऑप्शन होता था, भले ही अंदर से कितना भी डर क्यों न हो।

उन्होंने बताया कि उस वक्त यह सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि जान बचाने की जंग थी। जब उनसे आगे पूछा गया कि आखिर उन्होंने खुद को ऐसे मुश्किल वक्त में कैसे संभाला, तो प्लेबैक सिंगर ने बताया कि इनमें से कुछ प्रभावशाली लोगों से उनकी अच्छी दोस्ती हो गई थी, जिन्होंने उन्हें यह भरोसा दिया कि अगर कोई मुश्किल आई तो वह उनकी सुरक्षा और मदद भी देंगे। कुमार सानू के मुताबिक, उन्होंने इसके बावजूद ऐसे लोगों से दूरी ही रखी और कभी भी उनके दखल को अपनी ज़िंदगी में बढ़ावा नहीं दिया। वे जानते थे कि थोड़ी सी भी लापरवाही घातक हो सकती है, इसलिए उन्होंने हमेशा एक पेशेवर दूरी बनाए रखी।

नीना गुप्ता ने बेटी मसाबा के बनाए कपड़ों को लेकर किया मजेदार पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता ने अपनी फैशन डिज़ाइनर बेटी मसाबा गुप्ता द्वारा बनाए गए कपड़ों को लेकर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा चर्चा हो रही है। नीना गुप्ता अपनी ज़िंदगी को खुलकर जीने और अपनी शर्तों पर आगे बढ़ने के लिए जानी जाती हैं, और यह पोस्ट उनके इसी बेबाक अंदाज़ का प्रमाण है। नीना गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वे बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही हैं। इस फोटो में उन्होंने अपनी बेटी मसाबा की डिज़ाइन की हुई ब्लैक कलर की काफ्तान स्टाइल ड्रेस पहनी हुई है। यह ड्रेस उनके ऊपर खूब फब रही है और उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। नीना ने इस ड्रेस के साथ बड़े और आकर्षक इयररिंग्स पहने हैं, और हाथ में एक स्टाइलिश ब्लैक बैग भी लिया हुआ है, जो उनके लुक को कंप्लीट कर रहा है। उन्होंने अपना मेकअप बहुत ही सिंपल रखा है, जो उनकी प्राकृतिक सुंदरता को निखार रहा है, और बालों का जुड़ा बनाया हुआ है।